

## Rule 377

(VII) NEED FOR CONTROL OF PEST INFECTION  
OF ORANGES IN NAGPUR AND AMRAVATI  
DISTRICTS OF MAHARASHTRA

श्रीमती ऊषा प्रकाश चौधरी (अमरावती) : उपाध्यक्ष महोदय, इस देश में महाराष्ट्र के नागपुर और अमरावती दोनों मुख्य जिले हैं, जहाँ ज्यादा तौर पर संतरे पैदा होते हैं और देश के हर कोने में भेजे जाते हैं। इसके अलावा विदेशों में भी उनका निर्यात किया जाता है। 1980-81 में संतरों की पैदावार 1,78,388 मेट्रिक टन थी। एक जमाने में अमरावती जिले का मोशी बरूड विभाग भारतवर्ष का केलीफोर्निया कहलाता था। लेकिन आज यह क्षेत्र एक ऐसी बीमारी से प्रभावित हुआ है, जिसे "कोलसी" कहते हैं। इससे लगभग 50 लाख पेड़ों की क्षति होने की संभावना है। इस बर्बरतापूर्ण आक्रमण की गंभीरता और बढ़ गई है।

पहले ही सिंचाई के पानी का लेवल लगातार गिरता जा रहा है। पानी का लेवल पचास फीट तक पहुँच गया है इसी वजह से सूखे के संकट का वहाँ के किसान सामना कर रहे हैं। उसमें इस "कोलसी" के आक्रमण के कारण एक नया खतरनाक संकट पैदा हुआ है। महाराष्ट्र सरकार ने तत्काल इस क्षेत्र का सर्वेक्षण करा के इस बीमारी को रोकने के लिए शीघ्र कार्यवाही की है। फिर भी राज्य की ओर से जो कदम उठाए गए हैं, वे सीमित साधनों और यंत्रों के कारण आवश्यकता से कम हैं। इस कारण यह आवश्यक है कि भारत सरकार भी इस विषय में तुरन्त कोई कार्यवाही करे, जिससे भविष्य में कोई दुर्भाग्यप्रद घटना न घटे, क्योंकि मोशी बरूड विभाग के किसानों की रोजी-

रोटी संतरे की फसल से जुड़ी हुई है। यदि समय पर इस ओर ध्यान न दिया गया, तो यह बीमारी और भी लगे हुए क्षेत्र में बढ़ सकती है, जिस से निर्यात की क्षमता भी घटेगी और संतरों का उत्पादन भी गिर जायेगा।

इस लिए मैं सरकार से नम्र निवेदन करती हूँ कि वह युद्धस्तर पर इसके लिए कोई ठोस कदम उठाने की कृपा करे।

15.20 hrs.

RAILWAY BUDGET, 1981-82—  
GENERAL DISCUSSION—Contd.

MR. DEPUTY-SPEAKER : The House will now resume general discussion on the Railway Budget.

Prof. Narain Chand Parashar to continue his speech.

PROF. NARAIN CHAND PARASHAR (Hemirpur) : I hope that you will allow me to continue tomorrow. Before 3.30 P.M. I will not be able to finish my speech. At 3.30 we have to take up the Private Members Business.

MR. DEPUTY-SPEAKER : You have already taken 10 minutes.

PROF. NARAIN CHAND PARASHAR : I took only 8 minutes.

MR. DEPUTY-SPEAKER : No. you took 10 minutes. The records speak. Please continue your speech.

PROF. NARAIN CHAND PARASHAR : Sir, how can I conclude at 3.30 ? It is not possible. Anyway I would make my submissions.

Sir, yesterday I was speaking on the construction of new railway lines and conversion projects for the hilly and the backward areas of the country and I was pointing out as to how the needs of the backward regions of the country had been neglected. I was stressing upon the urgent need which is therein respect of construction of new railway lines and certain other railways lines which have already been surveyed, especially in the State of Himachal Pradesh.

In this connection, I would like to refer to the 69th Report of the Estimates Committee of the Fifth Lok Sabha. It says :